Candidate Marks Report

Series : Mar-Apr 2017

This candidate's script has been assessed using On-Screen Marking. The marks are therefore not shown on the script itself, but are summarised in the table below.

Centre No :	RPSC	Assessment Code :	Paper - I_Hin Med_1
Candidate No :	109508	Component Code :	01
Candidate Name :	NONAME		

Total Marks :	**81 / 200**

In the table below 'Total Mark' records the mark scored by this candidate.
'Max Mark' records the Maximum Mark available for the question.

Paper: 7001A

Paper Total: 81 / 200

Question	Total Mark / Max Mark
1	2 / 2
2	1 / 2
3	1 / 2
4	2 / 2
5	2 / 2
6	2 / 5
7	2 / 5
8	2 / 5
9	1 / 5
10	1 / 5
11	4 / 10
12	4 / 10
13	4 / 10
14	2 / 10
1	0.5 / 2
2	0 / 2
3	2 / 2
4	1 / 2
5	0.5 / 2
6	3.5 / 5
7	2.5 / 5
8	1 / 5
9	1 / 5
10	0.5 / 5
11	4 / 10
12	1.5 / 10
13	4 / 10
1	0.5 / 2
2	2 / 2
3	1.5 / 2
4	2 / 2
5	2 / 2

6	0 / 5
7	3 / 5
1	2 / 2
2	1.5 / 2
3	0 / 2
4	2 / 2
5	0.5 / 2
6	0.5 / 5
7	0 / 5
1	1 / 2
2	2 / 2
3	1 / 2
4	2 / 2
5	0 / 2
6	1 / 5
7	4.5 / 5

42699

PART - I

Paper Code

P-1

109508

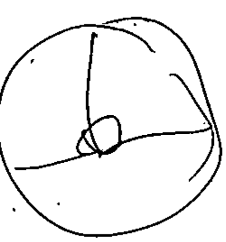

IMPORTANT NOTES
महत्त्वपूर्ण निर्देश

(A) Please fill up the OMR Sheet of this Question-Answer Booklet properly before answering.
प्रश्नोत्तर पुस्तिका में प्रश्न हल करने से पूर्व उसके संलग्न ओ.एम.आर. पत्रक को भली प्रकार से भर लें ।

(B) The question paper is divided into different unit and parts. The number of questions to be attempted and their marks are indicated in each unit and parts.
प्रश्न-पत्र विभिन्न यूनिट एवं भागों में विभाजित है । प्रत्येक यूनिट एवं भाग में से किये जाने वाले प्रश्नों की संख्या और उनके अंक उस यूनिट एवं भाग में अंकित किये गए हैं ।

(C) Attempt answers either in **Hindi or English**, not in both. For Language Papers, answer in concerned language and script, unless directed otherwise to write in Hindi or English specifically.
उत्तर **अंग्रेजी या हिन्दी** भाषा में से किसी एक में दीजिये, दोनों में नहीं । भाषा विषयक प्रश्नों के उत्तर उनकी संबद्ध भाषा व लिपि में ही दिए जाएँ, जब तक कि प्रश्न विशेष के लिए अलग से हिंदी या अंग्रेजी में उत्तर देने के लिए न लिखा गया हो ।

(D) The candidates should not write the answers beyond the prescribed limit of words; failing this, marks will be deducted.
अभ्यर्थियों को अपने उत्तर निर्धारित शब्दों की सीमा से अधिक नहीं लिखना चाहिए । इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जायेंगे ।

(E) Please write answers only in the prescribed space of booklet. Do not write any mark of identity inside the Answer Script (including Paper for rough work) i.e. name, address, telephone number, Name of God etc. or any irrelevant words other than the answer of question. Such act will be treated as unfair means. The Commission may also deduct 5 marks from the marks obtained, if Roll Number is not filled correctly on the O.M.R. Sheet.
किसी भी प्रश्न का उत्तर प्रश्नोत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर ही लिखें । प्रश्नोत्तर पुस्तिका (रफ़ कार्य के पृष्ठ सहित) के अंदर कहीं पर भी अपना नाम, रोल नंबर अथवा अन्य कोई पहचान चिह्न यथा -- प्रश्नोत्तर में नाम, पता, दूरभाष नंबर, देवताओं के नाम अथवा अन्य कोई भी प्रश्नोत्तर से असम्बंधित शब्द, वाक्य एवं अंक आदि न लिखें । ऐसा करने पर आयोग द्वारा इसे अनुचित साधन अपनाने का कृत्य माना जायेगा । ओ.एम.आर. पत्रक पर रोल नम्बर का त्रुटिपूर्ण अंकन करने पर आयोग द्वारा उसके प्राप्तांकों में से 5 अंक भी काटे जा सकते हैं ।

(F) Candidates are directed that they should not write (answer) out side the border line in every page. Answer written out side the border line will not be checked by the Examiner.
अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि प्रश्नोत्तर पुस्तिका में प्रत्येक पृष्ठ में बनाई गई बार्डर लाईन से बाहर प्रत्युत्तर नहीं लिखें । बार्डर लाईन के बाहर लिखे गये उत्तर को परीक्षक द्वारा जाँचा नहीं जायेगा ।

(G) If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature then out of Hindi and English version of the question, the English version will be treated as standard.
यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा ।

(H) The Question-Answer Booklet is provided in a sealed envelope to the candidate. Candidate must sign the declaration as per directions printed on the envelope and return it to the invigilator.
अभ्यर्थी को प्रश्नोत्तर पुस्तिका सीलबंद लिफाफे में प्रदान की गई है । अभ्यर्थी लिफाफे पर अंकित निर्देशों को पढ़कर घोषणा पर हस्ताक्षर कर लें और उसे अभिजागर को वापस कर दें ।

(I) Candidate should fill up all desired details on this attached OMR sheet of Question-Answer Booklet with **blue** ball point pen. Please ensure that this OMR Sheet is not torn or damaged.
अभ्यर्थी प्रश्नोत्तर पुस्तिका के ऊपर संलग्न इस ओ.एम.आर. पत्रक पर सभी वांछित विवरण **नीले** बॉल पेन से सावधानीपूर्वक भरें । ध्यान रखें कि यह ओ.एम.आर. पत्रक कहीं से कटे-फ़टे नहीं अथवा किसी भी प्रकार से क्षतिग्रस्त नहीं हो ।

(J) This **OMR** Sheet consists of **Two** parts, in which some information is pre-printed; remaining details have to be filled by the candidate.
यह **ओ.एम.आर.** पत्रक **दो** भागों में बंटा है, जिसमें कतिपय सूचनाएँ पूर्वमुद्रित हैं । शेष की पूर्ति अभ्यर्थी को करनी है ।

(K) If the Question-Answer Booklet is torn or not printed properly, bring it to notice of invigilator and change the Question-Answer booklet, otherwise the candidate will be liable for that.
यदि प्रश्नोत्तर पुस्तिका कहीं से कटी-फटी या अमुद्रित है, तो अभिजागर के ध्यान में ला दें तथा उसे बदलवा ले, अन्यथा उसका दायित्व अभ्यर्थी का होगा ।

विशेष नोट :
अभ्यर्थी द्वारा यदि ओ.एम.आर. पत्रक पर गलत सूचना भरी जाती है या उसे किसी प्रकार की क्षति पहुँचाई जाती है अथवा उस पर किसी प्रकार का पहचान चिह्न अंकित किया जाता है, तो आयोग द्वारा संपूर्ण परीक्षा हेतु अभ्यर्थिता निरस्त की जा सकेगी और उसके लिए अभ्यर्थी उत्तरदायी होगा ।

Special Notes :
If there is any wrong information filled by the candidate or any attempt is made to damage it or any marking as identification is done, then his candidature for the entire examination shall be rejected by the commission, for which he will be liable.

SPACE FOR ROUGH WORK

Paper – I GENERAL STUDIES & GENERAL KNOWLEDGE

(Total 200 Marks)
(Total 48 Questions)

Unit – I (75 Marks)
(यूनिट – I) (75 अंक)

Part – A Marks : 10
भाग – अ अंक : 10

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर **15-15** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं ।

1. What is the significance of Ghosundi Inscription ?
घोसुण्डी अभिलेख का क्या महत्त्व है ?

1

चित्तौड़गढ़ में स्थित घोसुण्डी अभिलेख 'वैष्णव' धर्म के बारे में सर्वप्रथम उल्लेख के कारण महत्ता रखता है, ये संस्कृत में उल्लिखित है। इसकी लिपि ब्राह्मी है।

1

2. Write the names of any two 'atheistic' religious sects of India other than Buddhism and Jainsim.
भारत में बौद्ध एवं जैन धर्म के अतिरिक्त किन्हीं अन्य दो 'अनीश्वरवादी' धार्मिक सम्प्रदायों के नाम लिखिए ।

भारत में अनीश्वरवादी धार्मिक संप्रदाय
1 चार्वाक मत पर आधारित ~~धर्म~~ पंथ, रामानंद संप्रदाय (निर्गुण)।

3. Mention any two Persian works written during the reign of Akbar.

अकबर के काल में लिखे गए दो फारसी ग्रन्थों का उल्लेख कीजिए ।

'आईने-ए-अकबरी' और 'तुजुक-ए-बाबरी' दो फारसी ग्रंथ लिखे गए।

4. Who was known as 'Frontier Gandhi' ? Which party was formed by him ?

'सीमान्त गांधी' के नाम से कौन प्रसिद्ध था ? उन्होंने किस दल का गठन किया ?

अब्दुल गफ्फार खान सीमांत गांधी के नाम से विख्यात थे। इन्होंने 'खुदाई-खिदमतगार' दल का गठन किया व असहयोग व खिलाफत आंदोलन में मुख्य भूमिका निभाई।

5. Explain the meaning of the term 'Whiteman's Burden'.

'श्वेतजाति पर भार' वाक्यांश का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

ब्रिटिश बुद्धिजीवियों द्वारा दी गई 'श्वेतजाति पर भार' अवधारणा के अनुसार अश्वेत लोग बर्बर है और श्वेत ब्रिटिश प्रजाति पर उन्हें सभ्य बनाने का भार है इसका उन्होंने उपनिवेश वृद्धि में सहारा लिया।

Part – B
भाग – ब

Marks : 25
अंक : 25

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर **50-50** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं ।

6. Discuss the salient features of the Fort architecture in Rajasthan.
राजस्थान के दुर्ग स्थापत्य की प्रमुख विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।

राजस्थान का दुर्ग स्थापत्य वैविध्ययुक्त है यहाँ सभी प्रकार के दुर्ग मिलते है- धान्वन दुर्ग- सोनार, भटनेर। जल दुर्ग-गागरोण, गिरि दुर्ग- कुम्भलगढ, रणथंभौर। रणथंभौर दुर्ग गिरि दुर्ग होने के साथ-साथ वनदुर्ग की श्रेणी मे भी आता है। राजाओं द्वारा वैभव-प्रदर्शन के साथ-साथ प्रजा व राज्य की सुरक्षा इन दुर्गों के निर्माणोद्देश्य थे।

7. There was a rich tradition of 'Nirguna Bhakti' in medieval India. Explain.
मध्यकालीन भारत में 'निर्गुण भक्ति' की समृद्ध परम्परा थी । स्पष्ट कीजिए ।

मध्यकालीन भारत मे धार्मिक आडंबरों के व्याप्त के फलस्वरूप भक्ति आंदोलन सामने आया, सुधारों की बुनियाद मे निर्गुण भक्ति में अवतारवाद रहित, पुनर्जन्म रहित, पाखंड रहित भक्ति पर बल दिया गया। कबीर, दादू इसके प्रमुख पक्षधर थे। इसका विस्तार उत्तर से दक्षिण संपूर्ण था।

8. Highlight the similarities and differences between the Bundi and Kishangarh schools of Rajasthani paintings.
राजस्थानी चित्रकला की बूंदी और किशनगढ़ शैलियों की समानता और भिन्नता को रेखांकित कीजिए ।

राजस्थानी चित्रकला की बूंदी एवं किशनगढ शैली में श्रृंगार - वर्णन, नारी चित्रण की समानता थी। रंगों के स्तर पर भी एकरूपता दृष्टिगत होती है।

दोनों शैलियों में - बूंदी शैली में भित्ति चित्रण पर अधिक बल, आखेट दृश्य, वन्य जीव चित्र अधिक है जबकि किशनगढ शैली में नारी-चित्रण पर बल है। बणी-ठणी किशनगढ शैली का प्रमुख चित्र है। बूंदी - छत्रसाल राजा, किशनगढ-सावंतसिंह

9. Discuss the contribution of Shahjahan in the field of Mughal Architecture.
मुगल स्थापत्यकला में शाहजहाँ के योगदान की विवेचना कीजिए ।

मुगल स्थापत्यकला को अकबर के समय उचित संरक्षण के बाद शाहजहाँ के काल में चरमोत्कर्ष मिला - ताजमहल प्रमुख स्थापत्य दृष्टांत है। इसके अलावा जामा मस्जिद, दीवाने-आम, दीवाने खास, लाल किला निर्मित हुआ। संगमरमर का प्रयोग इस काल की प्रमुख विशेषता है।

10. In what way the revolt of 1857 was a turning point in Indian history ?

किस प्रकार 1857 का विद्रोह भारतीय इतिहास में एक निर्णायक मोड़ था ?

1857 का विद्रोह हालांकि सफलीभूत नहीं हो पाया किन्तु इसने भारतीय जनमानस को शोषण के प्रति जागरूक किया, हिन्दू-मुस्लिम एकता इस समय की प्रमुख विशेषता रही। इसके बाद एक तरफ राष्ट्रीय आंदोलन की पृष्ठभूमि निर्मित हुई दूसरी तरफ भारतीय शासन ब्रिटिश क्राउन के अधीन हो गया और तुष्टीकरण युक्त शासन प्रारंभ हो गया।

1

Part – C

Marks : 40

भाग – स

अंक : 40

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **100** words each. Each question carries **10** marks.

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर **100-100** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **10** अंक निर्धारित हैं ।

11. In what way the advent of Mahatma Gandhi transformed the Indian Nationalist Movement into a mass movement ?

महात्मा गांधी के आगमन ने भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को किस प्रकार एक जन आन्दोलन बना दिया ?

गांधी के आगमन से पूर्व 1915 तक भारतीय संघर्ष का प्रादुर्भाव हो चुका था लेकिन आंदोलन का स्वरुप अस्पष्ट और सीमित था।

गाँधीजी के आगमन के बाद सबसे बड़ी विशेषता थी - आंदोलन को जमीनी स्तर से जोड़ना। इसके लिए विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रम यथा- खादी चरखा, महिला भागीदारी, स्वदेशी प्रोत्साहन चलाये गए। आंदोलन का दूसरा स्वरूप था गांधी ने आंदोलन को बुद्धिजीवी वर्ग की सोच से परे जनसामान्य की आवश्यकताओं से जोड़ा - नमक कर के विरोध में दाण्डी यात्रा इसका प्रमुख दृष्टांत है।

आंदोलन का तीसरा स्वरूप था भारतीयों में व्याप्त सामाजिक बुराइयों को दूर करना ताकि वे स्वयं संघर्ष के लिए खड़े हो सकें - जाति-प्रथा की भयावह बुराई - छुआछूत के विरोध में उपवास और शराब विरोध इसके उपांग थे। आंदोलन के अन्य पहलू थे - शांतिपूर्ण ढंग से अवैध और जनविरोधी कृत्यों-कानूनों का विरोध, कांग्रेस के सभी वर्गों में समन्वय, आंशिक रूप से माँगे मनवाने के बाद आंदोलन की पुनर्योजना बनाने हेतु आंशिक स्थगन जिन्होंने भारत को स्वतंत्रता की दहलीज पर खड़ा कर दिया।

12. Underline the basic features of the Prajamandal Movement in Rajasthan.
राजस्थान के प्रजामण्डल आन्दोलन की मूलभूत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

राजस्थान के प्रजामंडल आंदोलन के प्रमुख उद्देश्यों में रियासती शोषण का विरोध, उत्तरदायी शासन की स्थापना, लाग-बागों का विरोध और कृषकों की दशा सुधारने के साथ ही विभिन्न सामाजिक बुराइयों को दूर करते हुए समतायुक्त समाज की स्थापना था। बाद में आंदोलन ने कांग्रेस का समर्थन किया और इसका स्वरूप "स्वतंत्रता संघर्ष" का हो गया।

प्रजामंडल आंदोलन में महिलाओं की भी महत्ती भूमिका रही - अंजना देवी, रतन शास्त्री, खेतू बाई प्रमुख हस्ताक्षर थी, आंदोलन में महिला शिक्षा पर भी बल था।

आंदोलन संपूर्ण राज्यव्यापी था जिसमें राज्य के सभी भागों से जननेताओं - मास्टर आदित्येन्द्र, मथुराम वैद्य, हीरालाल शास्त्री, माणिक्यलाल वर्मा ने भाग लिया। निष्कर्षत: आंदोलन सफल भी रहे और किसानों - नेताओं की मांगे आंशिक रूप से मानी गई।

13. What was the distinctive contribution of Swami Vivekananda to India's awakening ?
भारतीय जागरण में स्वामी विवेकानन्द का विशिष्ट योगदान क्या था ?

स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय जागरण में प्रत्यक्ष राजनीतिक भागीदारी न करने के बावजूद भारतीयों को जीवन के हर पहलू के संबंध में जाग्रत किया।

स्वसंस्कृति के प्रति मोहभंग और दासता के अंधियारे में डूबे भारतीय युवाओं को पश्चिम के अंधानुकरण से बचने की सलाह देते हुए भारतीय-सांस्कृतिक गौरव की पुनः स्थापना की जो आंदोलन का आधार बनी।

धार्मिक आडंबरों में डूबे समाज को प्रकाशित करते हुए ये कहकर मूर्तिपूजा का समर्थन किया कि ये भक्ति का सरलतम माध्यम है। इसमें आराध्य-आराधक के बीच मध्यस्थ आवश्यक नहीं।

पूंजीपतियों और राजाओं को दरिद्र-नारायण की सेवा का आह्वान कर आर्थिक समता का संदेश दिया।

निष्कर्षतः 'तूफानी हिन्दू' और 'सृजन के बीज' स्वामीजी ने भारतीय समाज को संगठित व जाग्रत करने का सफल प्रयास किया।

14. In what way the 'Enlightenment Age' transformed the course of European history ?
'प्रबोधन युग' ने यूरोप के इतिहास की धारा को किस प्रकार प्रभावित किया ?

प्रबोधन से तात्पर्य सामान्यतः कला व विज्ञान के क्षेत्र में जागरण व नए आविष्कारों से लिया जाता है, किंतु प्रबोधन ने धर्म, राजनीति, दर्शन, साहित्य, उद्योग हर क्षेत्र को प्रभावित किया -

- न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण, बिंदु, जेम्सवाट - भाप इंजन, कार्टराइट - पावरलूम जैसे आविष्कारों ने औद्योगिक क्रांति को नई दिशा दी। फलस्वरूप श्रमिक पद्धति में प्रयोगों ने सामाजिक संरचना भी प्रभावित की। (एकल परिवार, संबंध विघटन)
- चर्च के आडंबरों से मुक्ति मिली, राष्ट्रीय चर्चों की स्थापना, धर्मसुधार हुए।
- स्थानीय भाषाओं में साहित्य लेखन हुआ - शेक्सपियर - हेमिलटन, टॉमस मूर - यूटोपिया।
- मानववाद को आध्यात्मिकता पर तरजीह दी गई।

निष्कर्षतः स्थानीय सकारात्मक परिणामों के अलावा उपनिवेशवाद की सनक बढ़ी जिसने एशिया, अफ्रीका को 'शताब्दियों के अंधकार' में धकेल दिया।

Paper-I

(Unit-II) (65 Marks)

(यूनिट-II) (65 अंक)

Part – A Marks : 10

भाग – अ अंक : 10

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर **15-15** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं ।

1. What do you understand by 'Poonam field' in Rajasthan ?
   राजस्थान में 'पूनम क्षेत्र' से आप क्या समझते हैं ?

   बाड़मेर -जैसलमेर क्षेत्र जहाँ लौट ऊर्जा के साथ - साथ खनिज , पेट्रोलियम भंडार मिले है।

   ½

2. What are mini uphar markets ?
   मिनी उपहार बाजार क्या है ?

   मिनी उपहार बाजार योजना हस्तशिल्प प्रोत्साहन से संबंधित है। जिसमें हस्तशिल्प को उचित मूल्य उपलब्धता के प्रयास किए गए है।

   0

3. What is the basic theme underlying the National Agricultural Market (NAM) policy ?
राष्ट्रीय कृषि बाजार नीति में अंतर्निहित मूल भावना क्या है ?

राष्ट्रीय कृषि बाजार (NAM) पूर्वप्रचलित एपीएमसी का ही विस्तारित व सुधारात्मक स्वरूप है जिसमें किसानों को एकीकृत ऑनलाइन बाजार उपलब्ध कराकर विपणन में सुविधा व आर्थिक मजबूती प्रदान करना शामिल है।

4. What is the curse of Green Revolution ?
हरित क्रांति का अभिशाप क्या है ?

उत्पादन वृद्धि के सकारात्मकता के अलावा क्षेत्रीय असंतुलन, पर्यावरण असंतुलन, आयगत असमानता, उर्वरक प्रयोग से भूमि क्षरण जैसे अभिशाप भी सामने आए। बाद में भारत में उर्वरक प्रयोग से भूमि के अनुकूलन से कृषि लागत भी बढ़ी। राजस्थान में सेम समस्या इसका उदाहरण है।

5. Which crafts have been recently granted registration for Geographical Indication in Rajasthan under intellectual property Right initiatives of the state ?
राज्य के बौद्धिक संपदा अधिकार पहल के अंतर्गत राजस्थान में हाल ही में किन हस्तकलाओं का भौगोलिक संकेतकों के लिए पंजीयन हुआ है ?

राजस्थान में बीकानेरी भुजिया, कोटा डोरिया, थेवा कला, उस्ता कला, मार्बल, लहरिया, टेराकोटा आदि इसके अंतर्गत पंजीकृत है।

Part – B
भाग – ब

Marks : 25
अंक : 25

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **50** words each. Each question carries 5 marks.

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर **50-50** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं ।

6. Explain the meaning of inclusive growth and financial inclusion in India.
भारत में वित्तीय समावेशन और समावेशी संवृद्धि का अर्थ समझाइए ।

वित्तीय समावेशन का तात्पर्य है – बैंकिंग प्रक्रिया से छूटे निम्न आय वर्ग, पिछड़े तबकों को सूक्ष्म वित्तीयन, बिना गारंटी ऋण, बैंक खाते खुलवाना, शाखाओं का विस्तार से है। जनधन योजना प्रमुख प्रयास है। समावेशी संवृद्धि का अर्थ है – समाज के सभी वर्गों, देश के सभी भागों को विकास एवं संवृद्धि की मुख्यधारा में लाकर सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक समता निश्चित करना।

7. What is the 'dual structure' of Goods and Service Tax ? Do you agree with this structure ? Comment.
वस्तु एवं सेवा कर की 'दोहरी संरचना' क्या हैं ? क्या आप इस संरचना से सहमत हैं ? टिप्पणी कीजिये ।

वस्तु एवं सेवा कर की दोहरी संरचना से तात्पर्य है- राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक स्तर पर सरकारों द्वारा भिन्न कर-वसूली। इसे सीजीएसटी व एसजीएसटी से जानते है।

देश में भौगोलिक भिन्नता के परिणामतः आर्थिक क्षेत्र में, सेवाओं व उद्योगों में भिन्नता व सहकारी संघवाद की दृष्टि से स्वायत्तता के कारण ये तर्कसंगत प्रतीत होता है। जिसे आंशिकतः एकीकृत किया जा सकता है।

8. What is 'interest subvention' scheme for agricultural credit in India ?
भारत में कृषि साख के लिए ब्याज अनुदान योजना क्या है ?

भारत सरकार द्वारा कृषक आर्थिक-सुदृढ़ीकरण के अंतर्गत ये योजना प्रारंभ की गई है। इसके अंतर्गत कृषिगत आवश्यकताओं यथा- उर्वरक, बीज, सिंचाई जैसी आवश्यकताओं के लिए कृषकों द्वारा लिये गए ऋण पर ब्याज की राशि के भुगतान हेतु सरकार द्वारा अनुदान दिया जाएगा। भविष्य में इसे पूर्णतः ऑनलाइन करने की योजना है।

9. What are the objectives of Pradhan Mantri Khanij Kshetra Kalyan Yojana ?
प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के उद्देश्य क्या हैं ?

प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के प्रमुख उद्देश्य है- खनन क्षेत्र की कंपनियों को खनन कार्य में और अधिक निवेश हेतु प्रोत्साहित करना। इसके लिए प्रतिभूति आवश्यकताओं को कम किया गया है।

- दो या अधिक कंपनियों द्वारा संयुक्त रूप से खनन को बढ़ावा देना,
- भारत में खनन क्षेत्रों की पहचान, शोध तेज करना और उनका स्थानीय जनता को लाभ शीघ्र अप्रत्यक्षः पहुँचाना।

10. Discuss the purpose, time frame and target of Mukhya Mantri Jal Swavlamban Abhiyan in Rajasthan.
राजस्थान में मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान के उद्देश्य, समय तथा लक्ष्य का विवरण दीजिए ।

मुख्यमंत्री जलस्वावलंबन योजना के अंतर्गत जनसामान्य में जल संसाधनों की बचत के प्रति जागृति जलसंसाधनों का पुनर्भरण, पंचायत स्तर पर भी क्रियान्वन उद्देश्य है। यह योजना अल्पकालिक न होकर दीर्घकालिक है।
इसके लक्ष्यों में परंपरागत उपायों को बढ़ावा देते हुए राजस्थान में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता बढ़ाना है इस हेतु टांके, बावड़ी निर्माण हो सकता है।

Part – C
भाग – स

Marks : 30
अंक : 30

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **100** words each. Each question carries **10** marks.
नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर **100-100** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **10** अंक निर्धारित हैं ।

11. In your view, what strategy should be adopted to double farmer's income by 2022 as targeted by the Indian Government ?
भारत सरकार के द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप वर्ष 2022 तक कृषकों की आय को दो गुना करने के लिए आपके दृष्टिकोण से क्या व्यूहरचना अपनाई जानी चाहिए ?

भारत सरकार द्वारा 2022 तक कृषकों की आय दुगुना करने के लिए पहले से ही जनोपयोगी योजनाएँ क्रियान्वित की जा रही है जिन्हें विस्तार

व परिष्करण की आवश्यकता है।

- ऋण के लिए नाबार्ड द्वारा संचालित 'किसान क्रेडिट कार्ड' योजना में ऋण राशि बढ़ाई जाए और इसकी वैधता हेतु बैंकिंग दायरा बढ़े।
- कृषक फसल बीमा योजना में अनछुए रहे - भंडारण जोखिम, अग्नि, जानवरों से सुरक्षा को शामिल किया जाए।
- 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना' में मृदा-परीक्षण में लगने वाले समय को कम करने हेतु प्रयोगशालाओं का विस्तार व विकेन्द्रण अपेक्षित है।
- एपीएमसी अधिनियम में सुधार किया जाए ताकि किसान अपनी उपज मंडी के साथ-साथ अन्य व्यक्तियों को बेच सके व उचित मूल्य प्राप्त कर सकें।
- राष्ट्रीय कृषि बाजार योजना के प्रारंभिक सफल रुझानों के बाद इसे विस्तार किये जाने की महत्ती आवश्यकता है।

निष्कर्षतः 'डिजिटल युग' में किसानों को शिक्षित कर डिजिटल माध्यमों से परिचित किया जाए ताकि आयवृद्धि सुनिश्चित हो।

12. 'The focus of India's new foreign trade policy 2015-20 is on supporting both manufacturing and services exports and align it with the Make in India, Digital India programme and to ease of doing business in India.' Explain this statement.
'भारत की नयी विदेश व्यापार नीति 2015-20 विनिर्माण और सेवा निर्यात दोनों में सहायता प्रदान करने तथा मेक इन इंडिया, डिजीटल इंडिया और भारत में कारोबार को सरल बनाने से जोड़ने पर केंद्रित है ।' इस कथन को समझाइये ।

भारत की बहुआयामी "विदेशी व्यापार नीति 2015-20" में निम्न उद्देश्य व प्रावधान है-
- विदेशी निवेश द्वारा विनिर्माण व सेवा-प्रेषण बढ़ाने के लिए एफडीआई के प्रावधानों को लचीला किया गया है- सैन्य क्षेत्र में भी एफडीआई वृद्धि।
- वैश्विक निर्यात में भारतीय हिस्सेदारी को 2% से 3.5% करने का लक्ष्य है।
- 'डिजीटल इंडिया' को भी मजबूती प्रदान करते हुए कृषि क्षेत्र में ई-नाम योजना द्वारा कृषिउपज वृद्धि से निर्यात वृद्धि की दूरगामी सोच दर्शाई है।
- भारतीय इलेक्ट्रोनिक्स उद्योग को 5 लाख और लोगों को रोजगार देने में सक्षम बनाने की योजना है ताकि संवृद्धि व रोजगार के साथ-साथ इलेक्ट्रोनिक्स सामग्री निर्यात भी संवृद्धित हो।
- अक्षय ऊर्जा में वृद्धि हेतु निवेश को प्रोत्साहन दिया गया है। विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि हेतु प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना प्रारंभ की गई है। निष्कर्षतः उपर्युक्त प्रावधानों के साथ 'ई-गवर्नेन्स' कारोबार में आसानी को और अधिक पुष्ट करेगी। सौरगठबंधन द्वारा ऊर्जा में नेतृत्व अपेक्षित है।

13. What are objectives of the 'Bureau for Partnership' in Rajasthan ?
राजस्थान में स्थापित 'सहभागिता ब्यूरो' के क्या उद्देश्य हैं ?

राजस्थान में मुख्य सचिव की मन्त्री भूमिका वाली 'सहभागिता ब्यूरो' बहुउद्देश्यीय संस्था है, इसके प्रमुख उद्देश्य है -

- राजस्थान में निजी-सार्वजनिक सहभागिता (PPP) पर परियोजना निर्माण में वृद्धि करना। इसके लिए पीडकोर से समन्वय किया गया है।
- विदेशी निवेश की मात्रा को बढाना। इस हेतु 'रिसर्जेन्ट राजस्थान' पहले से ही सफल रूप से आयोजित हो चुके है जो सहभागिता ब्यूरो के उद्देश्यों को ही मजबूती दे रहे है।
- 'एकल-खिड़की योजना' द्वारा राज्य में औद्योगिक विकास व अवसंरचना निर्माण को प्रोत्साहन (RIP)
- अक्षय ऊर्जा में निवेश को बढाना। इसके लिए सौर नीति, पवन ऊर्जा नीति जारी हो चुकी है जिनमें सौर ऊर्जा व पवन ऊर्जा को उद्योग का दर्जा देकर इनके विपणन की अनुमति दी गई है।
- कृषि, पशुपालन, पर्यटन, खनन विकास। इस हेतु आयोजित समिटों में कृषि हेतु एमओयू हस्ताक्षरित हुए है जबकि पशु संवर्धन केन्द्र स्थापना व खनन नीति-2015 अन्य प्रयास है जो राजस्थान से औद्योगिक रुग्णता दूर करने में मदद करेंगे।

(Unit-III) (Section – A) (20 Marks)

(यूनिट-III) (सेक्शन – A) (20 अंक)

Part – A

Marks : 10

भाग – अ

अंक : 10

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर **15-15** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं ।

1. Name four classical Indian sociologists who have made pioneering contributions to Indian Sociology.

   उन चार शास्त्रीय भारतीय समाजशास्त्रियों के नाम बताइए जिन्होंने भारतीय समाजशास्त्र में अग्रगामी योगदान दिया है ।

राम निवास शर्मा, ~~श्यामाचरण~~ एस.सी. दुबे, जी.एस.घुर्ये प्रमुख समाजशास्त्री है। वहीं नागार्जुन, रांगेय राघव जैसे लेखकों ने भी आदिवासी-पिछड़ी जातियों की सामाजिक-स्थिति सामने लाने का प्रयास किया है। एम.एन रॉय द्वारा समाजशास्त्र का आर्थिक पक्ष-चित्रित किया गया।

2. How is caste traditionally associated with division of labour in society ?

   भारत में परंपरागत रूप में जाति किस प्रकार श्रम विभाजन से संबंधित है ?

परंपरागत रूप से जाति श्रम व व्यवसाय विभाजन से संबंधित है जिसमें वर्णानुरूप ब्राह्मण - यज्ञ अनुष्ठान, संहिता निर्माण, क्षत्रिय - राज्य व प्रजा सुरक्षा, वैश्य - व्यापार, शूद्र - उपर्युक्त तीनों वर्णों हेतु उत्पादन व सेवा से सम्बद्ध है।

3. What do you mean by the process of Sanskritization ?

संस्कृतिकरण की प्रक्रिया से आपका क्या अभिप्राय है ?

✓1½

संस्कृतिकरण की प्रक्रिया में परंपरागत रूप से निम्न माने जाने वाली जातियाँ उच्च जातियों के रीति-रिवाज, पहनावे, खान-पान, धार्मिक क्रियाओं का अनुसरण कर स्वयं को उनके समकक्ष स्थापित करने का प्रयास करती है। ये व्यक्तिगत न होकर सामूहिक क्रिया है।

4. What do you understand by Child Marriage ?

बाल विवाह से आप क्या समझते हैं ?

✓2

संवैधानिक रूप से विवाह योग्य आयु (लड़का- 21 वर्ष, लड़की - 18 वर्ष) होने से पूर्व ही विवाह कर देना बाल विवाह है। स्थानीय परंपराओं, अशिक्षा, अज्ञानता के कारण बाल-विवाह होते हैं जो जनसंख्या वृद्धि, गरीबी जैसी समस्याएँ पैदा करते हैं।

5. Identify four major problems which the tribals in Rajasthan are facing.

✓2 उन चार मुख्य समस्याओं को रेखांकित करें जिनका राजस्थान में जनजातियाँ सामना कर रही हैं ।

राजस्थान में जनजातियाँ - सांस्कृतिक (लोककलाओं-नृत्य, संगीत की विलुप्तता), आर्थिक (स्थानांतरणीय कृषि में अल्पउत्पादन, धनार्जन कम), सामाजिक (अशिक्षा, गरीबी), स्वास्थ्य (जागरूकता का अभाव, यौन-व्यापार) जैसी समस्याओं से ग्रस्त है।

Part – B
भाग – ब

Marks : 10
अंक : 10

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर **50-50** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं ।

6. Describe the characteristics of caste given by G.S. Ghurye.
जी.एस. घुरये द्वारा प्रदत्त जाति की विशेषताओं का वर्णन कीजिये ।

0

जी. एस. घुरिए द्वारा जातिगत स्तर पर श्रेष्ठता व विभाजन को क्षेत्रीय व शासन के स्वरूप से जोड़ा गया है इसके अंतर्गत उत्तर भारत में कोई जाति निम्न सामाजिक सोपान पर होने के बावजूद उस जाति के दक्षिण भारत में स्थानीय शासक होने के कारण वह उच्चस्थ है। इसका उदाहरण है-तमिलनाडु में शाकाहारी (उच्चमानेजाने वाले) वैश्य माँसाहारी वर्ग से निम्नस्थ है।

7. Explain the social consequences of terrorism.
आतंकवाद के सामाजिक परिणामों को समझाइये ।

3

आतंकवाद जीवन को बहुआयामी रूप से प्रभावित करता है- समाज में भय व्याप्त होना, साम्प्रदायिक हिंसा व्याप्त होना, सामाजिक समरसता विघटित होते हुए सामाजिक कट्टरता का पोषण। आतंकवादी विचारधारा अपनाने पर अशिक्षा, मुख्यधारा से कटाव, बेरोजगारी, भटकाव जैसी समस्याएँ भी परिणामतः आती है।

(Unit-III) (Section – B) **(20 Marks)**

(यूनिट-III) (सेक्शन – B) **(20 अंक)**

Part – A **Marks : 10**

भाग – अ **अंक : 10**

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर **15-15** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं ।

1. What do you mean by delegation ?
भारार्पण से आपका क्या आशय है ?

✓2

किसी विशिष्ट पद से संबंधित कार्य, अधिकार, उत्तरदायित्व उच्चस्थ द्वारा अधीनस्थ को दिये जाना प्रत्यायोजन है. इसमें अंतिम उत्तरदायित्व का प्रत्यायोजन नहीं होता। ये कार्यकुशलता, निष्पादन में सहायक है।

2. What constitutes 'Marketing Mix' for a service ?
सेवा हेतु 'विपणन संमिश्र' में क्या समाहित है ?

✓1½

विपणन प्रक्रिया को व्यापक बनाने के लिए 'विपणन संमिश्र' में चार 'पी' (4'P') शामिल है - मूल्य (Price), स्थान (Place), उत्पाद (Product), संवर्द्धन (Promotion) जिन्हें संतुलित कर विपणन वृद्धि की जा सकती है।

3. What is 'Capital Structure' of a company ?

एक कंपनी की 'पूंजी संरचना' क्या है ?

0

कंपनी की पूंजी संरचना से तात्पर्य पूंजी के अल्पकालिक - दीर्घकालिक, कार्यशील - स्थायी भागों के अनुपातीकरण से है। जोखिम कम करने के लिए पूंजी संरचना अनुकूल होनी चाहिए।

4. Distinguish between 'Recruitment and Selection'.

भर्ती एवं चयन में अंतर कीजिए ।

कर्मचारी - नियोजन की प्रक्रिया में आवेदन के लिए प्रेरित करना, भर्ती है (सकारात्मक) जबकि उनमें से योग्य उम्मीदवारों को छाँटनी चयन है। (नकारात्मक)

2

5. What do you understand by 'Ordinary Share' ?

'साधारण अंश' से आप क्या समझते हैं ?

½

कंपनी की पूंजी संरचना में स्वामित्व अधिकार रखने वाले अंश साधारण अंश होते है। इसमें निवेशकों के लिए जोखिम अधिक होता है जबकि कंपनी में उनका हस्तक्षेप बढ़ता है हालांकि ये अंश सस्ते प्राप्त होते है।

Part – B
भाग – ब

Marks : 10
अंक : 10

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर **50-50** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं ।

6. Explain wheel, chain and circle communication network.
चक्र, श्रृंखला एवं वृत्त सूचना तंत्र समझाइये ।

श्रृंखला सूचना तंत्र में कठोर रूप से नियमपालन व केन्द्रीकरण होता है। जबकि वृत्तीय सूचना तंत्र क्रमिक रूप से सूचना हस्तांतरण से सम्बद्ध है। चक्र सूचना तंत्र में सूचना संप्रेषण तेजी से सहभागिता आधारित रूप से होता है। (विकेन्द्रीकृत स्वरूप)

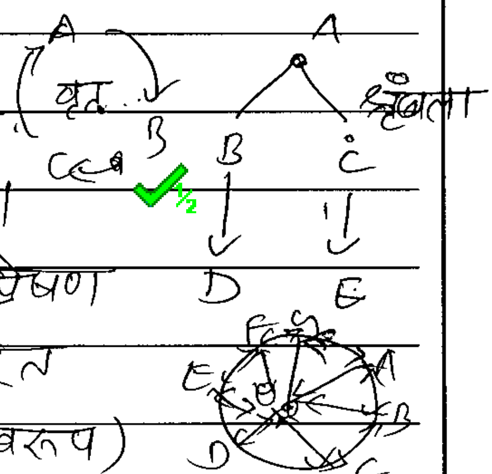

½

7. Explain different stages of product life cycle.
उत्पाद जीवन चक्र की विभिन्न अवस्थाओं को समझाइए ।

0

उत्पाद जीवन चक्र में प्राथमिक अवस्था में कच्चे माल के रूप में उत्पादित होकर द्वितीयक उद्योग में पहुँचता है। वहाँ उपयोगिता सृजन द्वारा परिष्कृत होता है। उपभोक्ता के माँग व उपयोग के योग्य होने पर उचित विपणन द्वारा उपभोक्ता तक पहुँचा दिया जाता है।

प्राथमिक उद्योग
↓
द्वितीयक
↓
निर्माण-प्रक्रिया
↓
विपणन
↓
उपभोक्ता

(Unit-III) (Section – C) (20 Marks)

(यूनिट-III) (सेक्शन – C) (20 अंक)

Part – A Marks : 10

भाग – अ अंक : 10

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर **15-15** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं ।

1. Write any two objectives of Financial Statement Analysis.
वित्तीय विवरण विश्लेषण के कोई दो उद्देश्य लिखिये ।

i) वित्तीय विवरण बड़े व जटिल होते है, अतएव उनसे आगामी निष्कर्ष व योजना निर्माण हेतु प्रबंधन द्वारा वित्तीय विवरण विश्लेषण उपयोग मेंलाए जाते हैं। ii) ये व्यवसाय की स्थिति की जानकारी देते है जो निवेशकों, क्रेता-विक्रेताओं के लिए लाभप्रद होती है।

2. What do you understand by Net Working Capital ?
शुद्ध कार्यशील पूँजी से आप क्या समझते हैं ?

कुल कार्यशील पूंजी में से चालू दायित्व घटाने पर प्राप्त पूंजी शुद्ध कार्यशील पूंजी कहलाती है जो व्यवसाय के दैनिक संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। माल-भाड़ा, किराया, दैनिक व्यय के लिए इसका उपयोग करते है।

3. Define Social Accounting.
सामाजिक लेखांकन को परिभाषित कीजिये ।

उद्योग व व्यवसाय द्वारा समाज को समर्पित लाभ- मानव नियोजन, सेवा, उत्पाद के साथ-साथ व्यवसाय द्वारा समाज को क्षति- पर्यावरण, कच्चा माल आदि का लेखांकन सामाजिक लेखांकन कहलाता है।

4. Write any two limitations of Responsibility Accounting.
उत्तरदायित्व लेखांकन की कोई दो सीमायें लिखिये ।

1.) उत्तरदायित्व केन्द्रों के निर्धारण में समय व धन का अपव्यय,

2.) उत्तरदायित्व निर्धारण के बाद समूह भावना खत्म हो जाती है। व्यवसाय व कर्मी आँकड़ों से प्रभावित होते है।

5. Write formulae of
(i) Solvency Ratio (ii) Debt-Equity Ratio
निम्न के फार्मूले लिखिये :
(i) शोध-क्षमता अनुपात (ii) ऋण-समता अनुपात

i) शोधन क्षमता अनुपात = $\dfrac{\text{ब्याज} + \dfrac{MV - NP}{n}}{\left(\dfrac{MV + NP}{2}\right)}$

0

ii) ऋण-समता अनुपात ⇒ दैती अनुपात = $\dfrac{\text{स्थिर व ऋण पूंजी}}{\text{समता अंश पूंजी}}$

टैक्स के बाद ऋण भुगतान
= टैक्स पूर्व ऋण भुगतान x (1 − टैक्स %)

Part – B
भाग – ब

Marks : 10
अंक : 10

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर **50-50** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं ।

6. Give any five differences between Fixed and Flexible Budgets.
स्थिर व लोचशील बजट में कोई पाँच अन्तर बताइये ।

स्थिर बजट	लोचशील बजट
1 कार्मिक परिवर्तन के प्रति उदासीन	कार्मिक सजग व कार्यशील
2 दीर्घकाल के लिए निर्मित	अल्पकालिक
3 बजट निर्माण के बाद परियोजना समाप्ति पर ही मूल्यांकन	समय-समय पर बजट का मूल्यांकन
4 एक बार बजट निर्माण के बाद सुधार की गुंजाइश नहीं	मूल्यांकन के आधार पर अवधि पूर्व सुधार संभव
5. कार्य निष्पादन लक्ष्य परिवर्तन नहीं	कार्य-निष्पादन व आवश्यकतानुसार लक्ष्य-परिवर्तन संभव

7. Write the meaning of responsibility Accounting and the names of responsibility centres.
उत्तरदायित्व लेखांकन का अर्थ एवं उत्तरदायित्व केन्द्रों के नाम लिखिये ।

परंपरागत लेखांकन के इतर गैर-वित्तीय व्यवहारों का भी लेखांकन कर संगठन में कार्यनिष्पादन में असंगतता की स्थिति में किसी कार्मिक की उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के लिए लेखांकन, उत्तरदायित्व लेखांकन कहलाता है। इसमें भावी योजनाओं व मानकों का भी वर्णन होता है। उत्तरदायित्व केन्द्र- लागत केन्द्र, लाभ केन्द्र, निवेश केन्द्र। इन केन्द्रों के लिए अलग-अलग उत्तरदायित्वधारी निर्धारित होते हैं

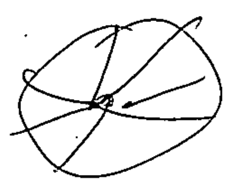

$$\frac{\text{Int.} + \frac{MV - NP}{n}}{\frac{MV + MP}{2}}$$